Case Study 2-Vivian Fernandes

http://hindi.moneycontrol.com/mccode/news/print.php?id=84619&sr_no=

गुजरात के पालनपुर तालुका में आलू की खेती एक फलता-फूलता कारोबार बन गया है। राज्य में कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग तेजी से पॉपुलर हो रही है और इसका फायदा किसानों तक पहुंच रहा है।

जब पार्थी चौधरी घोटालों की जांच नहीं कर रहे होते, वो नए रिकॉर्ड बना रहे होते हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो के पुलिस ऑफिसर पार्थी चौधरी ने मार्च 2010 में अपनी नौ हेक्टेयर जमीन में औसतन 87 टन प्रति हेक्टेयर आलू उगाए। ये कमाल हुआ कृषि विशेषज्ञों की देखरेख में। पार्थी चौधरी के मुताबिक आलू की ये उपज पूरे देश में सबसे ज्यादा थी। गौर करने वाली बात ये है कि गुजरात में औसत उपज जो देश में सबसे अच्छी मानी जाती है, वो भी चौधरी की उपज के मुकाबले एक तिहाई है।

पार्थी चौधरी के कोल्ड स्टोरेज में करीब 1400 टन आलू हैं, जिनकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। उन्होंने इसकी खेती पर 52 लाख रुपये खर्च किए थे और इस उपज के लिए उन्हें 120 दिन लगे। यानी सिर्फ 4 महीनों में 1.5 करोड़ रुपये का फायदा उन्होंने कमा लिया है। पार्थी चौधरी के मुताबिक उनके जैसी उपज कोई भी पा सकता है, अगर वो आलू की खेती के वैज्ञानिक तरीके अपनाए। पार्थी चौधरी को उनकी खेती में मदद करते हैं मैक्कैन के कृषि विशेषज्ञ।

मैक्कैन ना सिर्फ फास्ट फूड चेन मैकडॉनल्ड की सप्लाय है, बल्कि खुद के ब्रांड से वो आलू के फास्ट फूड प्रोडक्ट्स भी बेचती है। कंपनी ने राज्य के किसानों को स्प्रिंकलर इरिगेशन जैसी नई चीजें भी सिखाई हैं जिससे पानी और खाद की बर्बादी में भी काफी कमी आई है। साथ ही कंपनी किसानों से एक तय कीमत पर आलू खरीदने की गारंटी भी देती है, जिससे उन्हें भारी उतार-चढ़ाव नहीं झेलना पड़ता।